Chapter- 5

‘ऋ‘ की मात्रा

STUDY NOTES

- ‘ऋ’ स्वर वर्ण का सातवाँ स्वर है।
- ‘ऋ’ की मात्रा व्यंजनो के नीचे अर्धवृत्ताकार यानी अंग्रेजी के (c) अक्षर के समान होती है जिसे व्यंजनों के साथ जोड़कर लिखा जाता है।

  ऋ की मात्रा - (c)
- ‘ऋ’ मात्रा के उच्चारण स्थान ‘मूर्धा’ है (जब जीभ, होंठ और तालु के बीच के भाग को छूती है)
- विशेष बात - ऋ, की मात्रा का प्रयोग अक्षर ‘र’ पर नहीं किया जाता।

  जैसे ‘रृतु’ को हम, ऋतु लिखते हैं।
- ध्यान रखें - ‘क’ से लेकर ‘ह’ तक सभी वर्णों पर (अक्षर र को छोडकर) मात्रा का नियमित अभ्यास कराएँ। मात्रा के सही उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

शब्द

क - कृ - कृषक

व - वृ - वृक्ष

म - मृ - मृग

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

- अन्य शब्द - पितृ, कृपा, गृह, मातृ, पृथ्वी, अमृत, कृपाण, घृत, सृजन, नृप

उच्चारण करते समय शब्दों के सही अर्थ का भी ध्यान रखें।

जैसे -

मृग - हिरन

वृक्ष - पेड़

मातृ - माता

पितृ - पिता

नृप - राजा

गृह - घर

घृत - घी

अभ्यास कार्य

१. वाक्यों में ऋ (ृ) की मात्रा को रेखांकित करो।

क) मुझ पर **कृपा** करो। (उदाहरण)

ख) **ऋषि** पहाड़ पर बैठे हैं।

ग) दूध **अमृत** है।

घ) भारत **कृषि** प्रधान देश है।

ङ) **घृणा** मत करो।

च) हमारी **मातृभाषा** हिंदी है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

२. ऋ (ृ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरे करो।

नत्य, गह, दढ़, कत, मग, मात, पित, सजन, पथ्वी, घत, वक्ष, कपाण

उत्तर- **नृ**त्य, **गृ**ह, **दृ**ढ़, **कृ**त, **मृ**ग, मा**तृ**, पि**तृ**, **सृ**जन, **पृ**थ्वी, **घृ**त, **वृ**क्ष, **कृ**पाण

३. एक जैसे शब्दों को जोड़कर लिखो।

मातृ कृषि

नृप कृत

घृत कृप

ऋषि पितृ

उत्तर -

मातृ - पितृ

नृप - कृप

घृत - कृत

ऋषि - कृषि

अतिरिक्त प्रश्न

१. शब्दों के अर्थ लिखें।

क) पृथ्वी - धरती

ख) नृत्य - नाच

ग) सृजन - रचना

घ) मातृ - माता

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow